दीनदयाल जी ने निर्धनों के उत्थान के लिए 'एकात्म मानववाद' का दर्षन दिया। देष भर में कार्यकर्ताओं को दिषा प्रदान करने का उत्तरदायित्व उन्होंने निभाया।